विनोबा योग मण्डल के द्वारा आयोजित पत्रिका-प्रकाशन के कौशल पर कार्यशाला सम्पन्न

"कौशल सफल जीवन का आधार है और विविध कर्मों मे कुशलता अर्जित करना योग का एक स्वरूप" इसी विचार के साथ विनोबा योग मण्डल ने हिन्दी विश्वविद्यालय मे कौशल विकास कार्यक्रमों की शुरुआत की है। इसी योजना के अंतर्गत विनोबा योग मण्डल ने पत्रिका-प्रकाशन के कौशल पर एक कार्यशाला आयोजित की गयी। इस कार्यक्रम की संकल्पना पर प्रकाश डालते हुए विनोबा योग मण्डल के संयोजक डा. अरुण प्रताप सिंह ने कहा कि हमें भले ही लाख डिग्रियाँ मिल जाएँ, जीवन के अकूत ऐश्वर्य प्राप्त हो जाएँ किन्तु जीवन मे अगर कौशल का विकास न किया जाये तो यह जीवन न तो सुखकर हो सकता है न ही समाज के लिए उपादेय। अतएव अध्यापक, विद्यार्थी, कर्मचारी या फिर जनसामान्य सभी के लिए कौशल विकास अत्यावश्यक है। चूंकि हम सभी किसी-न-किसी कौशल से सम्पन्न होते हैं अत: एक दूसरे से हम कुछ-न-कुछ सीख सकते हैं। इसी संदर्भ मे, विद्यार्थी और अध्यापक सब अपने-अपने कौशल के ज्ञान को एक दूसरे से साझा करें इस हेतु इस कार्यक्रम की शुरुआत की गयी है।

इसके अनंतर, एम. फिल. जनसंचार के विद्यार्थी सन्नी गौड़, जो कि दिल्ली मे पत्रकार रहे हैं, ने पत्रिका प्रकाशन के कौशल हेतु क्वार्केक्स्प्रेस्स नामक साफ्टवेयर के उपयोग का पावर प्वाइंट के द्वारा प्रशिक्षण दिया। उन्होने यह सिखाया कि कैसे किसी समाचार-पत्र या पत्रिका मे चित्र, आवरण, और सज्जा के समुचित संयोजन से किसी भी समाचार या आलेख को हृदयग्राही बनाया जाता है। विभिन्न विभागों के विद्यार्थी, कर्मचारी, आस-पास के नागरिकों ने इस कार्यक्रम मे प्रशिक्षु के रूप मे भाग लिया। सभी ने इस कार्यक्रम की भूरी -भूरी प्रशंसा की। अंत मे, विनोबा योग मण्डल के संयोजक ने सभी को धन्यवाद ज्ञापित किया।